जिनमें ओपीडी की सुविधा भी भी शुरू नहीं हो पायी है। सरकार इस प्रकार पूरे देश में एम्स जैसे संस्थान को स्थापित करने के लिए घोषणा कर रही है, तो उसे यह भी ध्यान देना चाहिए कि मात्र घोषणा भर कर देने से कोई संस्थान दिल्ली एम्स जैसा नहीं बन जाएगा। इसके लिए उस संस्थान में दिल्ली जैसी सुविधाएं अभी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। वैसे ही डाक्टर्स और वैसे इलाज के लिए उपकरण एवं उसी तरह के इलाज हेतु वांछित आधारयुक्त अवसंरचना जब उपलब्ध होगी, तभी यह संस्थान दिल्ली एम्स जैसी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: राम नाथ जी, पढ़ना नहीं है, देखते हुए बोलना चाहिए।

श्री राम नाथ ठाकुर: तभी लोगों को यह भरोसा होगा कि उन्हें सही इलाज मिल रहा है। सभापति जी, सरकार को एम्स, पटना की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि यह संस्थान दिल्ली एम्स जैसी सुविधाओं से लैस हो सके और दूर-दराज़ के अभावग्रस्त क्षेत्रों में इलाज के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिस पवित्र इरादे से इसकी स्थापना की गई है, वह सार्थक हो सके, धन्यवाद।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

† محترمہ کہکشاں پروین (بہار) : مہودے، میں خود کو اس وشئے سے سمبدّھ کرتی ہوں۔

Irrational package rates under *Ayushmaan Bharat* scheme

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, thank you very much for giving me this opportunity. Sir, as we are seeing that the hon. Prime Minister has been sending cards regarding *Ayushmaan Bharat,* though there are significant budgetary contributions from the States as well, but, there are so many fallacies in that particular proposed Bill and one of these is irrational package rate. Sir, you must admit that different patients suffering from the same disease might not be present with the same manifestations because of the associated complications and associated other comorbid factors. But, if you fix up that particular rate for that particular disease, then what will happen? The same patient, who is suffering from a particular disease with associated morbidities, when he or she goes to a particular hospital, the doctor, or that particular hospital, will refuse that patient because they will understand that they would not get the extra amount of money. Indirectly, again, it will worsen the doctor-patient relationship and the incidents of violence, which are taking place everywhere, will increase. So, the Government must give due importance to that particular factor before fixing up this package rate. Thank you very much.

SHRI MD. NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

---

† Transliteration in Urdu script.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

SHRI SANJAY SINGH (NCT of Delhi): Sir, I also associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

SHRI MAJEED MEMON (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

SHRI K. G. KENYE (Nagaland): Sir, I also associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

SHRI NEERAJ SHEKHAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

SHRI PRATAP KESHARI DEB (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by Dr. Santanu Sen.

Rising population in the country

श्री विजय पाल सिंह तोमर (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, बढ़ती हुई जनसंख्या एक बहुत बड़ी समस्या है। देश की जितनी समस्याएं हैं, बेरोज़गारी हो, अशिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, शिक्षा हो या पर्यावरण हो सबकी जड़ बढ़ती जनसंख्या है। हमारे देश के संसाधन सीमित हैं। जब देश आज़ाद हुआ, तब सन् 1951 के अनुसार करीब 36 करोड़ की आबादी थी और आज हम 135 करोड़ के ऊपर हैं। प्रतिवर्ष करीब दो करोड़ की वृद्धि हो रही है। विश्व की आबादी का साढ़े 17 फीसदी भारत की आबादी है और 2.4 फीसदी विश्व का जो सतही क्षेत्रफल है, उसका भाग हमारे देश का है उसमें भारत आता है। जिस गति से हमारी जनसंख्या बढ़ रही है, इसक नियंत्रण किया जाना अति आवश्यक है। इसके कारण हैं, हमारी अशिक्षा, रूढ़िवादिता और बाहर से आने वाले घुसपैठिए यहां घर कर लेते हैं और जाते नहीं हैं। ऐसी स्थिति में जो हमारे सीमित संसाधन हैं, इन पर जिस गति से पर्यावरण का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, इस दोहन के कारण आने वाली पीढ़ी को पीने के पानी की समस्या होगी। मान्यवर, इस पर मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहूंगा कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए एक सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और बाहर से आने वालों को तत्काल निकाल कर देश से बाहर किया जाना चाहिए, घुसपैठियों का कोई स्थान न हो, बाहर से वे न आ पाएं और जो यहां आ गए हैं, उनको निकाल दिया जाए।

SHRI K. G. KENYE (Nagaland): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Vijay Pal Singh Tomar.

श्री सभापति: ठीक है, धन्यवाद। श्री हरनाथ सिंह यादव। जो नोटिस में है, उसी के ऊपर ध्यान देकर बोलना चाहिए।